खण्ड.5, संख्या.9(सितम्बर)2017

New Book Alerts

What's New at the Library

संकलनकर्ता:

कुमार संजय, प्रमुख पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रलेखन अधिकारी

वर्षा सतीजा, पुस्तकालय सूचना अधिकारी

नीति आयोग

पुस्तकालय

पुस्तकालय में जोड़ी गई नयी पुस्तकें

1. बुलंद भारत: मोदी जी की नीतियाँ/ राकेश कुमार आर्य

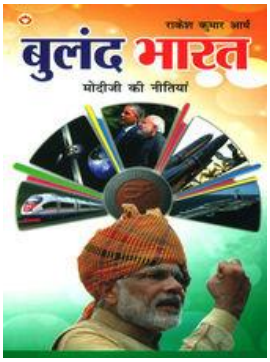

वैदिक राज्य व्यवस्था में प्रधानमन्त्री को 'विष्णु' अर्थात पालन पोषण , वृद्धि और विकास करने वाला कहा गया है । राष्ट्रचेता ऐसा हो , जिसे लोग सहर्ष 'विष्णु' मानें। भारत में राष्ट्र नायक होने की यह सबसे बड़ी कसौटी है । जो ऐसे दिव्यगुणों से भरा होता है, उसे राष्ट्र की जनता मर्यादा पुरुषोत्तम राम या योगीराज कहकरयुगों-युगों तकपूजतीहै।

प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी निःसंदेह हमारे उन राष्ट्रनायकों की परम्परा की वर्तमान कड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्र की कान्ति और शक्ति को अपने अपने काल में अपने अपने ढंग से प्रदीप्त और प्रखर करने का प्रयास किया और जिनके चिन्तन का केंद्र केवल राष्ट्र रहा ।त्यागी तपस्वी लोग राष्ट्र का वर्द्धन संवर्द्धन , रक्षण और संरक्षण करते हैं।

पब्लिशर्स: डायमनड बुक्स

बोद्ध संख्या:923.254 A796B **परिग्रहन संख्या:154431**

2.पुस्तकालय अनुसंधान पद्धति: एक अध्ययन/ सुरेश चंद सिन्हा

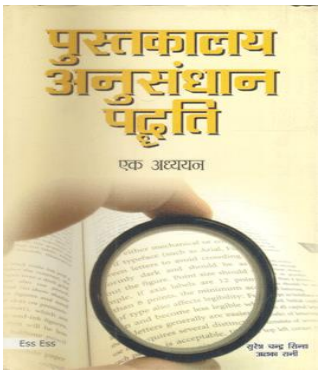

आधुनिक समाज में पुस्तकालयो का महत्वपूर्ण स्थान है।आज शिक्षा एवं शोध संबंधी आवश्यकताओ को ध्यान में रखते हुए देश के अनेक विश्व विध्यालों ने पुस्तकालय विज्ञान पाठ्यक्रम आयोजित किए है।तकनीकी विषय होने के कारण हिन्दी भाषा में पाठको के लिए बोधगमय पुस्तकों का सर्वथा अभाव रहा है। उन्ही की आवश्यकताओ की पूर्ति हेतु एक अच्छी पुस्तक उपलब्ध हो, इसी उदेश्य को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तक की रचना की गयी।

पब्लिशर्स: एसस एसस पब्लिकेशन्स

बोद्ध संख्या: 020 S617P **परिग्रहन संख्या:154566**

3. नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां/ अमित श्रीवास्तवा

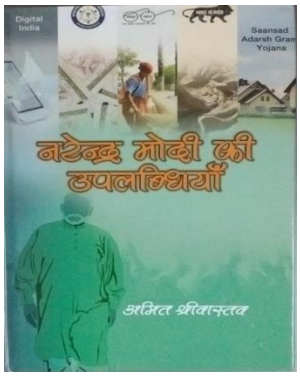

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की उपलब्धियों की बात की जाए, तो इसकी शुरुआत उनके सत्ता में आते ही हो गई। जिस तरह से उन्होने देश का नेत्रत्व किया है और कर रहे है, आलोचको का मानना है की आने वाले समय में मोदी का भारत दुनिया के मंच पर शीर्ष में आसीन होगा।मोदी जी की विदेश नीति, स्वच्छता अभियान, मेक इन इंडिया, मुक्त प्रशासनिक व्यवस्था आदि की उपलब्धियां,जिनका अब तक सपना ही देखा गया है।

पब्लिशर्स: रीतू प्रकाशन

बोद्ध संख्या:923.254 S774N **परिग्रहन संख्या:154568**

4. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व/ शिवदास

विश्व की सर्वोत्कृष्ट संस्कृति भारतीय संस्कृति है, यह कोई गर्वोक्ति नहीं अपितु वास्तविकता है ।। भारतीय संस्कृति को देव संस्कृति कहकर सम्मानित किया गया है ।। आज जब पूरी संस्कृति पर पाश्चात्य सभ्यता का तेजी से आक्रमण हो रहा है, यह और भी अनिवार्य हो जाता है कि, उसके हर पहलू को जो विज्ञान सम्मत भी है तथा हमारे दैनन्दिन जीवन पर प्रभाव डालने वाला भी, हम जन-जन के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि हमारी धरोहर -आर्य संस्कृति के आधार भूत तत्व नष्ट न होने पायें ।।

भारतीय संस्कृति का विश्व संस्कृति परक स्वरूप तथा उसकी गौरव गरिमा का वर्णन तो इस वाङ्मय के पैंतीसवें खण्ड 'समस्त विश्व को भारत के अजस्र अनुदान' में किया गया है किंतु इस खण्ड में संस्कृति के स्वरूप, मान्यताएँ, कर्म काण्ड -परम्पराएँ पद्धतियाँ एवं अंत में इसके सामाजिक पक्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है ।। इस प्रकार दोनों खण्ड मिलकर एक दूसरे के पूरक बनते हैं ।।

पब्लिशर्स: राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद

बोद्ध संख्या: 306.60954 S555B **परिग्रहन संख्या:155131**

5. देश समाज और राजनीति का आईना/ एम.जे.अकबर

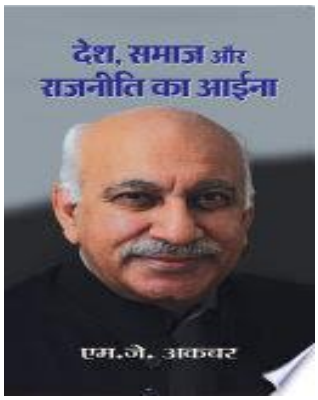

प्रखर पत्रकार एवं संपादक श्री एम.जे.अकबर ने इस चिंतनपरक पुस्तक में पिछले दशक पर एक व्यापक और गहरी निघा डाली गई है,जो की ऐसा काल था जिसके टेढ़े महड़े रास्तो पर प्रतिष्टा ध्वस्त हुई और घटना भी प्रवहा के बजाय जमावड़े के रूप में सामने आई। भ्रस्टाचार,आतंकवाद ,विलंबित न्याय, अधिकारो का उलंघन और सरकारी वादाखिलाफी का इतिहास राजनीति क्षेत्र से इतर हसी के पात्र बन गई।इनके किरदार भी असाधारण रहे। हमारे विभाजित उपमहाद्वीप के सन्स्थ्पकों से लेकर भविष्य को आकार देनेवाले आज के लोग इसमे शामिल हुए।

पब्लिशर्स: प्रभात प्रकाशन

बोद्ध संख्या: 954 A313D **परिग्रहन संख्या:154503**

6. आयुर्वेदिक विज्ञान के नए आयाम/ अंकुश जाधव

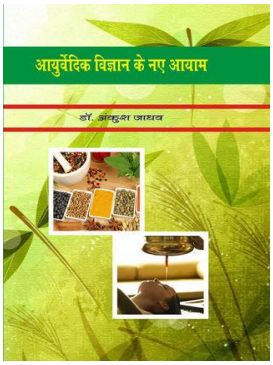

आयुर्वेद विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणालियों में से एक है | यह आयुर्वेद का उपवेद है | यह विज्ञान, कला और दर्शन का मिश्रण है | आयुर्वेद के ऐतिहासिक ज्ञान के संदर्भ में सर्वप्रथम ज्ञान का उल्लेख, चरक मत के अनुसार मृत्युलोक में आयुर्वेद के अवतरण के साथ अग्निवेश का नामोल्लेख है | सर्वप्रथम ब्रह्मा से प्रजापति ने, पराजीत से अश्विनी कुमारों ने, उनसे इन्द्र ने औ इन्द्र से भरद्वाज ने आयुर्वेद का अध्ययन किया |

पब्लिशर्स: शिवांक प्रकाशन

बोद्ध संख्या: 615.538 J59A **परिग्रहन संख्या:155170**

7.शतायु कैसे हों/ पवित्र कुमार शर्मा

आज मनुष्य की औसत आयु घटकर केवल 45 या 50 वर्ष ही रह गई है लेकिन एक जमाना ऐसा भी था जब पृथ्वी पर मनुष्य की औसत आयु 100 से 150 वर्ष के बीच की थी और तब मानव आराम से अपनी जिंदगी में 200 वर्ष तक जी सकता था।

लंबी उम्र हर कोई चाहता है।लेकिन कितने ऐसे व्यक्ति हैं जो सो वर्ष जीने के लिए बेहतर स्वस्थ्य की आचार सहीनता का पालन करते है।इस पुस्तक में सो साल तकजीने के ऐसे कुछ महत्वपुरन उपायो पर प्रकाश डाला है।जिन्हे अपना कर आप और हम में से कोई भी देर्घायु को प्राप्त कर सकता है।

पब्लिशर्स: विज्ञान लोक

बोद्ध संख्या:128 S531S **परिग्रहन संख्या:155018**

8.देवी देवताओं के रहस्य/ देवदत पटनायक

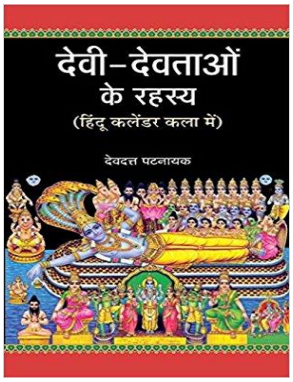

इस पुस्तक की आकृतियाँ सड़कों के किनारे और मंदिरों के बाहर हिन्दू देवताओं की तस्वीरें बेचनेवाले लोगो से ली गई है। कला के इतिहासकारों ने बताया है की किस तरह राजा रवि वर्मा जैसे कलाकारों और उन्नीसवी सदी के मुद्रण टेक्नालजी ने इन तसवीरों को पूरे भारत में हिंदुओं के लिए सुलभ बनाया और किस तरह आम आदमी के मानस में ये तस्वीरे बेठ गई। हाल के समय में हिन्दू देवी देवताओं की सुंदर तसवीरों ने विदेशी पर्यटको का भी ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

पब्लिशर्स: प्रभात प्रकाशन

बोद्ध संख्या:294.5211 P315D **परिग्रहन संख्या:155055**

9. डायबिटीज का स्वदेशी उपचार/ राजेंद्र पाण्डेय

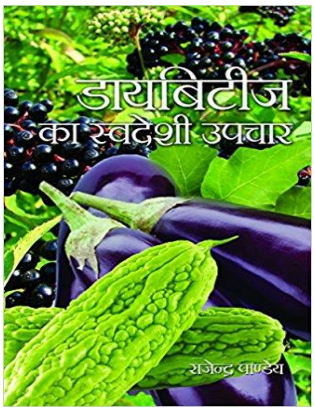

स्वस्थ्य, निरोग , स्मृध और खुशहाल जीवन की कल्पना संसार के समस्त स्त्री पुरुष करते है लेकिन उन्हे इस बात का ज्ञान नहीं होता है की आखिर ऐसा उम्दा जीवन प्राप्त कैसे हो सकता है? न ही धन से, न ही ज्ञान से और न ही श्रम से इतना जीवंत जीवन किसी किसी को मिल सकता है, इसके लिए सर्वगुण सम्पन्न होना अत्यंत आवश्यक है। गुणों से ही व्यक्ति का चारित्रिक, मानसिक और शारीरिक विकास होता है बेशक दिल और दिमाग का पोषण अच्छे गुणों से ही होता है ।

पब्लिशर्स: ट्रीडेंट पब्लिशर्स

बोद्ध संख्या:616.46206 P189D **परिग्रहन संख्या:155174**